UNIVERSITY NEWS 27 NOVEMBER 2025

AMAR UJALA

लविवि से संबद्ध कॉलेजों के विद्यार्थियों के पास भी रोजगार पाने का है अवसर

प्लेसमेंट ड्राइव से जुड़ीं कंपनियों में नौकरी के लिए तीन दिन में करना होगा आवेदन

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट ड्राइव से जुड़ीं तीन कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर विवि से संबद्ध महाविद्यालयों और निजी कॉलेजों के विद्यार्थियों को भी मिलेगा। सेंट्रल प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय ने बुधवार को बताया कि इन्हें तीन दिन में आवेदन करना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 29 नवंबर है।

उन्होंने कहा कि इसका विशेष ध्यान रखें कि वर्ष 2026 में पास होने वाले विद्यार्थी ही नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। चयनितों को सालाना तीन से नौ लाख रुपये तक का पैकेज मिलेगा।

■ विप्रो एचआर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
पद : कस्टमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव
पदों की संख्या : 50
आवेदन के लिए लिंक :
https://forms.gle/pnMSNEwQBtdvfKwd9
पात्रता : बीसीए, बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम और बीएससी
वेतन : 3.8 लाख रुपये सालाना

■ हाइक एजुकेशन
पद : बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर
पदों की संख्या: 50 से अधिक
आवेदन के लिए लिंक :
https://forms.gle/ELrUarDg8sUcmKaR6
पात्रता: बीटेक, एमबीए या एमसीए व बिजनेस डेवलपमेंट
पात्रता : बीबीए, बीकॉम और बीसीए
वेतन : 7.2 लाख रुपये सालाना

■ आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड
पद : असिस्टेंट लेक्चरर
पदों की संख्या : 50 से अधिक
आवेदन के लिए लिंक:
https://forms.gle/B2bqheMNqbzTDt936
पात्रता: फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथेमेटिक्स, बीटेक एमएससी, बॉटनी व जूलॉजी
वेतन : 7.25 लाख से नौ लाख रुपये सालाना

एक दिसंबर से जमा होंगे असाइनमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एमकॉम कॉमर्स के पहले व दूसरे सेमेस्टर के असाइनमेंट एक दिसंबर से जमा होंगे। प्रवक्ता डॉ. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि असाइनमेंट जमा करने की विषयवार तिथि वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर अपलोड कर दी गई है। (संवाद)

HINDUSTAN

पर्यावरण के अनुकूल उत्प्रेरक बनाया गया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग के सह आचार्य डॉ. सुशील कुमार मौर्या की अगुवाई में शोधकर्ताओं की टीम ने एक ऐसा पर्यावरण-अनुकूल और दोबारा इस्तेमाल में लाए जाने वाला उत्प्रेरक विकसित किया है जो दवा, औद्योगिक रसायनों के निर्माण का तरीका बदलने में सहायक होगा। इस उत्प्रेरक का नाम वैनाडियम–टाइटेनियम ऑक्साइड है। डॉ. सुशील के अलावा शोध में सीएसआईआर–इंस्टीट्यूट हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी पालमपुर, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, मुंबई और आईआईटी पलक्कड़ के शोधकर्ता भी शामिल रहे। जिसे रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री जर्नल मैटेरियल्स एडवांसेज में प्रकाशित किया गया है।

लोकतांत्रिक मूल्यों, सिद्धांतों से परिचित हुए विद्यार्थी

लखनऊ। एलयू में 76वें संविधान दिवस पर राजकीय हाईस्कूल लखिया बेनीगंज श्रावस्ती से अपने शिक्षकों के साथ 70 विद्यार्थियों ने संविधान स्थल देखा। जिन्हें कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और हिन्दी विभाग के शिक्षक प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने 26 नवंबर, 26 जनवरी के महत्व को समझाया। इस दौरान बच्चों को संविधान की प्रस्तावना कंठस्थ थी। शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों ने सामूहिक पाठ किया।

DAINIK JAGRAN

लवि : दवाएं बनाने के लिए तैयार किया नया उत्प्रेरक

जासं • लखनऊ : लवि के रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. सुशील के मौर्य के नेतृत्व में शोध टीम ने एक पर्यावरण-अनुकूल और पुनः उपयोग वाले वैनाडियम–टाइटेनियम आक्साइड उत्प्रेरक (कैटेलिस्ट) विकसित किया है, जो दवाइयों और औद्योगिक रसायनों के उत्पादन का तरीका बदल सकता है।

हाल ही में यह शोध यूके के रायल सोसाइटी आफ केमिस्ट्री जर्नल मैटेरियल्स एडवांसेज में प्रकाशित में प्रकाशित हुआ है। तैयार किया गया यह उत्प्रेरक नाइट्रो यौगिकों को स्वच्छ और प्रभावी तरीके से अमीन में बदल देता है। वहीं, अमीन दवाइयों, रंगों, कृषि-रसायनों और पालिमर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इस शोध में सीएसआइआर–इंस्टीट्यूट आफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलीजी, पालमपुर, भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर मुंबई और आइआइटी पालक्काड, कंजिकोडे के शोधकर्ता भी शामिल रहे।

डा. सुशील के मौर्य

• रसायन विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रो. के शोध नेतृत्व में मिली सफलता

एसोसिएट प्रो. डा. सुशील बताते हैं कि दवा बनाने की कई प्रक्रिया होती है। उसमें पारंपरिक तरीकों में महंगे और खतरनाक उच्च-दाब हाइड्रोजन गैस तथा पैलेडियम/प्लैटिनम जैसे महंगे धातु का उपयोग होता है। ये प्रक्रियाएं ऊर्जा-गहन होती हैं और विषाक्त अपशिष्ट पैदा करती हैं। हमने जो नया उत्प्रेरक विकसित किया है वह सुरक्षित हाइड्रोजन स्रोत और इथेनाल जैसे पर्यावरण-अनुकूल विलायक का उपयोग करता है, जिससे केवल नाइट्रोजन और पानी उप-उत्पाद के रूप में निकलते हैं।

विकसित की कई दवाएं बनाने की प्रक्रिया: इस तकनीक से शोधकर्ताओं ने 50 से अधिक अमीन-आधारित यौगिक सफलतापूर्वक तैयार किए, जिनमें प्रमुख दवाइयों पैरासिटामोल, फिनासेटिन, बेंजोकेन, ब्यूटाम्बेन और ब्रोमहेक्सीन बनाने की प्रक्रिया विकसित की गई है। सभी यौगिक उत्कृष्ट परिणाम और न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव के साथ प्राप्त हुए। खास बात ये है कि यह उत्प्रेरक पुनः प्रयोग योग्य है और कई चक्रों तक अपनी क्षमता बनाए रखता है। डा. मौर्य ने कहा कि यह नवाचार कार्बन फुटप्रिंट और रासायनिक अपशिष्ट को कम करने में मदद करेगा। इस प्रक्रिया को विकसित और अनुकूलित करने में करोलिंस्का इंस्टीट्यूट, स्टाकहोम, स्वीडन में पोस्ट-डाक्टरल एसोसिएट डा. राहुल उपाध्याय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लवि ने निकाली संविधान गौरव यात्रा

लखनऊ : लवि के विधि संकाय में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को संविधान गौरव यात्रा का आयोजन किया गया। संकायाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर डा. रमेश कुमार वर्मा ने बाबासाहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को पुष्प अर्पित कर स्मरण किया। यात्रा के दौरान छात्र-छात्राओं ने परिसर में स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय जैसे संवैधानिक आदर्शों से जुड़े पोस्टर और बैनरों के साथ उत्साहपूर्ण प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रो. डा. आनंद विश्वकर्मा, डा. रिचा सक्सेना सहित अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

एम.काम के विद्यार्थियों का आंतरिक मूल्यांकन एक से

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वाणिज्य संकाय ने एम.काम पहले और दूसरे वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन की समय सारिणी जारी कर दी है। यह मूल्यांकन एक से छह दिसंबर तक होगा। विस्तृत कार्यक्रम विश्वविद्यालय की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। वि.

विद्यार्थियों ने देखा संविधान स्थल

लखनऊ :लवि परिसर में बुधवार को श्रावस्ती के राजकीय हाईस्कूल लखिया-बेनीगंज से आपने शिक्षकों के साथ आए हुए 70 विद्यार्थियों को संविधान स्थल दिखाया गया। विद्यार्थियों को उसके विषय और संबंधित तिथियों के बारे में हिंदी विभाग के प्रो.योगेंद्र प्रताप सिंह ने जानकारी दी। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना भी उन विद्यार्थियों से मिलीं। बच्चों को संविधान की प्रस्तावना कंठस्थ थी। तीन बच्चों की अगुवाई में सभी बच्चों एवं विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने इसका सामूहिक पाठ किया। वि.

I NEXT

एलयू में निकाली संविधान गौरव यात्रा

एलयू के लॉ डिपार्टमेंट में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को संविधान गौरव यात्रा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत संकाय परिसर में उद्घाटन समारोह के साथ हुई. संकायाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर डा. रमेश कुमार वर्मा ने बाबासाहेब डा. भीमराव अम्बेडकर को पुष्प अर्पित कर स्मरण किया. यात्रा के दौरान छात्र–छात्राओं ने परिसर में स्वतंत्रता, समानता एवं न्याय जैसे संवैधानिक आदर्शों से जुड़े पोस्टर और बैनरों के साथ उत्साहपूर्ण प्रदर्शन किया. इस अवसर पर प्रो. डा. आनंद विश्वकर्मा मौजूद रहे.

VOL

लविवि में निकाली गयी संविधान गौरव यात्रा

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय में संविधान दिवस के अवसर पर बुधवार को संविधान गौरव यात्रा का भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस यात्रा का उद्देश्य भारतीय संविधान की भावना को पुनः स्मरण करना, समाज में संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूकता को प्रसारित करना एवं लोकतांत्रिक आदर्शों को युवा पीढ़ी के मध्य सक्रियता से जीवंत रखना है। आयोजन ने यह संदेश भी दिया कि संवैधानिक सिद्धांतों का महत्त्व केवल कक्षा तक ही सीमित नहीं, बल्कि दैनिक जीवन और सामाजिक व्यवहार में भी उतना ही आवश्यक है। कार्यक्रम की शुरूआत विधि संकाय के प्रांगण में औपचारिक उद्घाटन समारोह के साथ हुई।संकायाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. रमेशकुमार वर्मा ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को पुष्प अर्पित किया और संविधान निमाता के रूप में स्मरण किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और इसका मूल तत्व सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा की रक्षा करना है।

AAJ

●लखनऊ विश्वविद्यालय में निकली गयी संविधान गौरव यात्रा

लखनऊ । लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय में संविधान दिवस के अवसर पर आज संविधान गौरव यात्रा का भव्य और गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधि संकाय के प्रांगण में औपचारिक उद्घाटन समारोह के साथ हुई। संकायाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता प्रोफेसर रमेश कुमार वर्मा ने बाबासाहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर को पुष्प अर्पित किया और संविधान निर्माता के रूप में स्मरण किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि संविधान भारतीय लोकतंत्र की आत्मा है और इसका मूल तत्व सामाजिक न्याय, समानता और मानवीय गरिमा की रक्षा करना है। आयोजन ने यह संदेश भी दिया

AMRIT VICHAR

शोध | लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र के शिक्षक ने तैयार किया कैटलिस्ट

कैटलिस्ट के जरिए बन सकेंगी इको फ्रेंडली दवाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग के शिक्षक ने ऐसा कैटालिस्ट (उत्प्रेरक) बनाया है, जो दवाओं के औद्योगिक उत्पादन का तरीका बदल देगा। ये पर्यावरण को कोई नुकसान पहुंचाए बिना नाइट्रोजन कंपाउंड को अमीन में बदल देगा। अमीन दवाइयों, रंगों, कृषि-रसायनों और पॉलिमर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

रसायन शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुशील के. मौर्य के नेतृत्व में शोध किया गया। इसमें शोधकर्ताओं ने पर्यावरण के अनुकूल और फिर से प्रयोग लायक उत्प्रेरक विकसित किया है। शोध में सीएसआईआर इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर और आईआईटी पालक्काड, कंजिकोडे के शोधकर्ता भी शामिल रहे हैं। टीम ने वैनाडियम टाइटेनियम ऑक्साइड उत्प्रेरक तैयार किया है, जो नाइट्रो यौगिकों को स्वच्छ और प्रभावी तरीके से अमीन में बदल देता है। अमीन दवाइयों, रंगों, कृषि-रसायनों और पॉलिमर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। डॉ. मौर्य ने बताया कि ये नवाचार कार्बन फुटप्रिंट और रासायनिक अपशिष्ट को कम करने में मदद करेगा।

टिकाऊ और औद्योगिक उपयोग के लिए तैयार

- यह उत्प्रेरक विशुद्ध रूप से पर्यावरण का मित्र है। इसके अलावा यह पुनः प्रयोग योग्य है और कई चक्रों तक अपनी क्षमता बनाए रखता है। यह जटिल और संवेदनशील यौगिकों पर भी प्रभावी है। बड़े पैमाने पर औद्योगिक उपयोग की संभावना को मजबूत करता है। करोलिंस्का इंस्टीट्यूट, स्टॉकहोम, स्वीडन में पोस्ट-डॉक्टरल एसोसिएट डॉ. राहुल उपाध्याय ने इस प्रक्रिया को विकसित और अनुकूलित करने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

क्यों खास है शोध

- पारंपरिक तरीकों मे महंगे और खतरनाक उच्च दाब हाइड्रोजन गैस और पैलेडियम, प्लेटिनम जैसे महंगे धातु का उपयोग होता है। ये प्रक्रियाएं ऊर्जा गहन होती हैं और जहरीला कचरा पैदा करती हैं। जबकि नया उत्प्रेरक सुरक्षित हाइड्रोजन सोत और इथेनॉल जैसे पर्यावरण अनुकूल विलायक का उपयोग करता है, जिससे केवल नाइट्रोजन और पानी उप उत्पाद के रूप मे निकलते हैं।

50 से अधिक प्रयोग हुए सफल

- पारं रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री जर्नल मैटेरियल्स एडवांसेज मे प्रकाशित इस ग्रीन तकनीकी से शोधकर्ताओं ने 50 से अधिक अमीन आधारित यौगिक सफलतापूर्वक तैयार किए।

ये दवाएं बनी

- पैरासिटामोल
- फिनासेटिन
- बेंजोकेन
- ब्यूटाम्बेन

AMRIT VICHAR

मौलिक अधिकारों के साथ मौलिक कर्तव्य भी याद रखें

संविधान दिवस पर सरकारी और निजी संस्थाओं में हुआ गोष्ठियां का आयोजन, संविधान उद्देशिका की शपथ भी दिलाई गई

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : संविधान दिवस पर बुधवार को शहर में सरकारी और निजी संस्थाओं, शिक्षण संस्थाओं में गोष्ठियां और जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान लोगों ने संविधान उद्देशिका की शपथ भी ली।

लखनऊ विश्वविद्यालय में राजकीय हाईस्कूल लखिया बेनीगंज श्रावस्ती से शिक्षकों के साथ आए 70 विद्यार्थियों को संविधान स्थल दिखाया। उसके विषय और संबंधित तिथियों के बारे में प्रो. योगेंद्र प्रताप सिंह ने बताया। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने 26 नवंबर और 26 जनवरी के महत्व के बारे में समझाया। टैगोर लाइब्रेरी में रखी भारतीय संविधान की मूल प्रति को देखने के लिए श्रावस्ती से आए बच्चों को भेजा गया।

संविधान दिवस पर लविवि में आयोजित कार्यक्रम में हाईस्कूल के विद्यार्थियों के साथ कुलपति प्रो मनुका खन्ना और भाषा विवि में कार्यक्रम में बोलते कुलपति प्रो . अजय तनेजा।